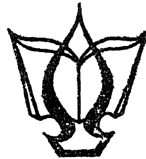
मालूशाही

(कुमाउँनी लोक-कथा पर आधारित आञ्चलिक प्रबन्ध-काव्य)

डा० चन्द्राकर



विवेक प्रकाशन